रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 632] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 27, 2000/आश्विन 5, 1922
No. 632] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 27, 2000/ASVINA 5, 1922

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2000

संदर्भ : गृह मंत्रालय की दिनांक 17-9-1991 की अधिसूचना सं. का.आ. 603 (अ)।

का.आ. 891 (अ).—यतः अरुणाचल प्रदेश के तीरप एवं चांगलांग जिलों को गृह मंत्रालय की उक्त अधिसूचना के तहत 17•9•1991 से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 के तहत अशान्त क्षेत्र घोषित किया गया था क्योंकि केन्द्र सरकार की राय में उक्त जिले इस प्रकार की अशान्त एवं खतरनाक स्थिति में थे कि सिविल शक्ति की सहायता मे सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक था, और

2• यतः, माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर किए गए एक विवरण में भारत सरकार ने बताया था कि उक्त अधिनियम के तहत "अशान्त क्षेत्रों" की घोषणा से संबंधित सभी मौजूदा अधिसूचनाओं की 20•8•1997 से तीन माह की अवधि के भीतर समीक्षा की जाएगी ।

3• तदनुसार, तीरप एवं चांगलांग जिलों की कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई है । कानून एवं व्यवस्था के संबंध में राज्य सरकार की रिपोर्टों से निम्नलिखित तथ्य सामने आए हैं:-

(i) एन0एस0सी0एन0 (के) द्वारा 9 मई, 1999 को लोंगग गांव में श्री वांगजो होसाई की उनके सिर पर लोहे की छड़ से प्रहार करके निर्मम हत्या कर दी गई थी ।

(ii) 20 मई, 2000, को अत्याधुनिक हथियारों तथा हथगोलों से लैस एन0एस0सी0एन0 (के) उग्रवादियों ने बोरडुरिया गांव पर धावा बोल दिया और भूतपूर्व वित्त मंत्री तथा वर्तमान विधायक श्री वांगलट के छोटे भाई सहित छः व्यक्तियों का अपहरण कर लिया ।

(iii) पन0एस0सी0एन0 (के) की गतिविधियों ने भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती लोमरियन मोफुक को खोन्सा (पूर्व) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र भरने से रोका ।

(iv) 15 जुलाई 2000 को, अन्य अधिकारियों के साथ तीरप जिले के उपायुक्त को बोरडुरिया गांव में उग्रवादियों द्वारा रोका गया तथा उनके निजी सुरक्षा अधिकारी से ए0के0-47 रायफल छीन ली गई ।

(v) 31 जुलाई, 2000 को, पन0एस0सी0एन0 (के) द्वारा तीसा के निकट खोन्सा- लोंगडिंग सड़क पर पनिडुरिया गांव के 2 व्यक्तियों की इस कारण गोली मारकर हत्या कर दी गई कि ये व्यक्ति पन0एस0सी0एन0 (आई/एम) काडर को तीरप जिले में लाने के लिए जिम्मेदार थे ।

(vi) तीरप/चांगलांग से म्यांमार में तथा पश्चिम कामेंग/तवांग से भूटान में पन0एस0सी0एन0 (के), पी0एल0ए0, उल्फा, बोडो आदि जैसे पूर्वोत्तर के विभिन्न सशस्त्र उग्रवादी संगठनों की भारी आवाजाही की रिपोर्टें प्राप्त हुई है ।

4. राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि राज्य पुलिस बल की सीमित उपलब्धता से इन दो जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नही है तथा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना/अर्द्ध सैनिक बलों की सहायता मांगी है । राज्य सरकार ने यह भी सिफारिश की है कि इन दो जिलों को अशान्त क्षेत्र के रूप में घोषित करना जारी रखा जाए ।

5. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, केन्द्र सरकार की यह राय है कि तीरप एवं चांगलांग जिलों में स्थिति अशान्त है तथा सिविल शक्ति की सहायता के लिए सशस्त्र बलों के प्रयोग की परिस्थितियां विद्यमान हैं । अतः, यह निर्णय लिया गया है कि इस मंत्रालय की 17•9•1991 की उक्त अधिसूचना 31 मार्च, 2001 तक प्रभावी रहेगी जब तक कि इसे इससे पूर्व वापिस न लिया जाए।

[सं. 13/27/99-एम जैड]

जी. के. पिल्लै, संयुक्त सचिव (एन.ई.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th September. 2000

Ref : Ministry of Home Affairs' Notification No. S.O. 603(E) dated 17-9-1991.

S.O. 891(E).— Whereas Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh were declared as disturbed areas under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 w.e.f. 17.9.1991 vide this Ministry's Notification referred to above, as, in the opinion of the Central Government, the said districts were in such a disturbed and dangerous condition that the use of armed forces in aid of civil power was necessary, and

2. Whereas in a statement filed before the Hon'ble Supreme Court, the Government of India had stated that all current notifications regarding declaration of "disturbed areas" under the aforesaid Act, would be reviewed within a period of three months from 20.8.1997.

3. A review of the law & order situation in Tirap & Changlang districts has accordingly been conducted. The State Government reports on law & order bring out the following facts:

(i) On 9th May 1999, Shri Wangjo Hosai was brutally killed by smashing his head with iron rod at Lothung village by the NSCN(K)

(ii) On 20th May 2000, NSCN(K) ultras armed with sophisticated weapons and hand grenades raided Borduria village and kidnapped six persons including the younger brother of Shri Wanglat, Ex-Finance Minister and present MLA.

(iii) The activities of NSCN(K) prevented a BJP candidate, Mrs. Lomrian Mophuk from filing nomination from Khonsa (East) Parliamentary constituency.

(iv) On 15th July 2000 the Deputy Commissioner, Tirap District with other officers were intercepted by ultras at Borduria village and an AK-47 rifle was snatched away from his Personal Security Officer.

(v) On 31st July 2000, two persons of Paniduria village were shot dead by the NSCN(K) at Khonsa-Longding road near Tissa on the ground that these persons were responsible for bringing in NSCN(I/M) cadre to Tirap District.

(vi) Reports have been received of heavy movements of various armed extremists groups of North East like NSCN(K), PLA, ULFA, Bodo etc. through Tirap/Changlang to Myanmar and through West Kameng/Tawang to Bhutan.

4. The State Government have also reported, that with the limited availability of State police force, it is not possible to fully control the law and order situation in these two districts and have sought the help of Army/para military forces to control the situation. The State Government have also recommended that these two districts be continued to be declared as disturbed.

5. In the light of the above, the Central Government is of the opinion that the situation in Tirap and Changlang districts is disturbed and that conditions exist for the use of armed forces in aid of civil power. It is, therefore, decided that the notification dated 17.9.1991 of this Ministry mentioned above, will remain in force upto 31st March 2001 unless withdrawn earlier.

[No 13/27/99-MZ]

G. K. PILLAI, Jt. Secy. (NE)

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054—2000